कुलुस्सियों

1 पौलुस जो परमेश्वर की इच्छानुसार यीशु मसीह का
प्रेरित है उसकी, तथा हमारे भाई तिमुथियुस की ओर
से।

2मसीह में स्थित कुलुस्से में रहने वाले विश्वासी भाइयों
और सन्तों के नाम:

हमारे परम पिता परमेश्वर की ओर से तुम्हें अनुग्रह
और शांति मिले।

3जब हम तुम्हारे लिये प्रार्थना करते हैं, सदा ही अपने
प्रभु यीशु मसीह के परम पिता परमेश्वर का धन्यवाद करते
हैं। 4क्योंकि हमने मसीह यीशु में तुम्हारे विश्वास तथा
सभी संत जनों के प्रति तुम्हारे प्रेम के बारे में सुना है। 5यह
उस आशा के कारण हुआ है जो तुम्हारे लिये स्वर्ग में
सुरक्षित है और जिस के विषय में तुम पहले ही सच्चे संदेश
अर्थात् सुसमाचार के द्वारा सुन चुके हो। 6सुसमाचार समूचे
संसार में सफलता पा रहा है। यह वैसे ही सफल हो रहा है
जैसे तुम्हारे बीच यह उस समय से ही सफल होने लगा था
जब तुमने परमेश्वर के अनुग्रह के बारे में सुना था और
सचमुच उसे समझा था। 7हमारे प्रिय साथी दास इपफ्रास से,
जो हमारे लिये मसीह का विश्वासी सेवक है, तुमने
सुसमाचार की शिक्षा पायी थी। 8आत्मा के द्वारा उत्तेजित
तुम्हारे प्रेम के विषय में उसने भी हमें बताया है।

9इसीलिये जिस दिन से हमने इसके बारे में सुना है,
हमने भी तुम्हारे लिये प्रार्थना करना और यह विनती करना
नहीं छोड़ा है:

प्रभु का अभिमत तुम्हें ज्ञात हो,
सब प्रकार की समझ–बूझ
जो आत्मा देता; और
तुम बुद्धि भी प्राप्त करो
10 ताकि वैसे जी सको, जैसे प्रभु को साजे।
हर प्रकार से तुम प्रभु को सदा प्रसन्न करो।
तुम्हारे सब सत् कर्म सतत सफलता पावें
तुम्हारे जीवन से सत्कर्मों के फल लगें
तुम प्रभु परमेश्वर के ज्ञान में निरन्तर बढ़ते रहो।
11 वह तुम्हें अपनी महिमापूर्ण
शक्ति से सुदृढ़ बनाता जाये
ताकि विपत्ति के काल खुशी से
महाधैर्य से तुम सब सह लो।

12उस परम पिता का धन्यवाद करो, जिसने तुम्हें इस
योग्य बनाया कि परमेश्वर के उन संत जनों के साथ जो
ज्योतिर्मय जीवन जीते हैं, तुम उत्तराधिकार पाने में सहभागी
बन सके 13परमेश्वर ने अन्धकार की शक्ति से हमारा
उद्धार किया और अपने प्रिय पुत्र के राज्य में हमारा प्रवेश
कराया। 14उस पुत्र द्वारा ही हमें छुटकारा मिला है यानी हमें
मिली है हमारे पापों की क्षमा।

मसीह के दर्शन में, परमेश्वर के दर्शन

15वह अदृश्य परमेश्वर का दृश्य रूप है। वह सारी
सृष्टि का सिरमौर है। 16क्योंकि जो कुछ स्वर्ग में है और
धरती पर है, उसी की शक्ति से उत्पन्न हुआ है। कुछ भी
चाहे दृश्यमान हो और चाहे अदृश्य, चाहे सिंहासन हो चाहे
राज्य, चाहे कोई शासक हो और चाहे अधिकारी, सब
कुछ उसी के द्वारा रचा गया है और उसी के लिए रचा गया
है। 17सबसे पहले उसी का अस्तित्व था, उसी की शक्ति से
सब वस्तुएँ बनी रहती हैं। 18इस देह, अर्थात् कलीसिया का
सिर वही है। वही आदि है और मरे हुओं को फिर से जी
उठाने का सर्वोच्च अधिकारी भी वही है ताकि हर बात में
पहला स्थान उसी को मिले। 19क्योंकि अपनी समग्रता के
साथ परमेश्वर ने उसी में वास करना चाहा। 20उसी के
द्वारा समूचे ब्रह्माण्ड को परमेश्वर ने अपने से पुन: संयुक्त
करना चाहा–उन सभी को जो धरती के हैं और स्वर्ग के
हैं। उसी लहू के द्वारा परमेश्वर ने मिलाप कराया जिसे
मसीह ने क्रूस पर बहाया था।

21एक समय था जब तुम अपने विचारों और बुरे
कामों के कारण परमेश्वर के लिये अनजाने और उसके
विरोधी थे। 22किन्तु अब जब मसीह अपनी भौतिक देह में
था, तब मसीह की मृत्यु के द्वारा परमेश्वर ने तुम्हें
स्वयं अपने आप से ले लिया। ताकि तुम्हें अपने सम्मुख
पवित्र, निश्कलंक और निर्दोष बना कर प्रस्तुत किया
जाये। 23यह तभी हो सकता है जब तुम अपने विश्वास
में स्थिरता के साथ अटल बने रहो और सुसमाचार के
द्वारा दी गयी उस आशा का परित्याग न करो, जिसे तुमने
सुना है। इस आकाश के नीचे हर किसी प्राणी को
उसका उपदेश दिया गया है, और मैं पौलुस उसी का सेवक
बना हूँ।

कलीसिया के लिये पौलुस का कार्य

24अब देखो, मैं तुम्हारे लिये जो कष्ट उठाता हूँ, उनमें
आनन्द का अनुभव करता हूँ और मसीह की देह, अर्थात्
कलीसिया के लिये मसीह की यातनाओं में जो कुछ कमी
रह गयी थी, उसे अपने शरीर में पूरा करता हूँ। 25परमेश्वर
ने तुम्हारे लाभ के लिये मुझे जो आदेश दिया था, उसी के
अनुसार मैं उसका एक सेवक ठहराया गया हूँ। ताकि मैं
परमेश्वर के समाचार का पूरी तरह प्रचार करुँ। 26यह
संदेश रहस्यपूर्ण सत्य है। जो आदिकाल से सभी की
आँखों से ओझल था। किन्तु अब इसे परमेश्वर के द्वारा
संत जनों पर प्रकट कर दिया गया है। 27परमेश्वर अपने
संत जनों को यह प्रकट कर देना चाहता था कि वह
रहस्यपूर्ण सत्य कितना वैभवपूर्ण है। उसके पास यह
रहस्यपूर्ण सत्य सभी के लिये है। और वह रहस्यपूर्ण सत्य
यह है कि मसीह तुम्हारे भीतर ही रहता है और परमेश्वर
की महिमा प्राप्त करने के लिये वही हमारी एक मात्र
आशा है। 28हमें जो ज्ञान प्राप्त है उस समूचे का उपयोग
करते हुए हम हर किसी को निर्देश और शिक्षा प्रदान
करते हैं ताकि हम उसे मसीह में एक परिपूर्ण व्यक्ति
बनाकर परमेश्वर के आगे उपस्थित कर सकें। व्यक्ति
को उसी की सीख देते हैं तथा अपनी समस्त बुद्धि से हर
व्यक्ति को उसी की शिक्षा देते हैं ताकि हर व्यक्ति को
मसीह में परिपूर्ण बना कर परमेश्वर के आगे उपस्थित
कर सकें। 29मैं इसी प्रयोजन से मसीह का उस शक्ति से जो
मुझमें शक्तिपूर्वक कार्यरत है, संघर्ष करते हुए कठोर परिश्रम
कर रहा हूँ।

2 मैं चाहता हूँ कि तुम्हें इस बात का पता चल जाये
कि मैं तुम्हारे लिए, लौदीकिया के रहने वालों के
लिये और उन सब के लिए जो निजी तौर पर मुझसे कभी
नहीं मिले हैं, कितना कठोर परिश्रम कर रहा हूँ 2ताकि
उनके मन को प्रोत्साहन मिले और वे परस्पर प्रेम में बँध
जायें। तथा विश्वास का वह सम्पूर्ण धन जो सच्चे ज्ञान से
प्राप्त होता है, उन्हें मिल जाये तथा परमेश्वर का रहस्यपूर्ण
सत्य उन्हें प्राप्त हो वह रहस्यपूर्ण सत्य स्वयं मसीह है।
3जिसमें विवेक और ज्ञान की सारी निधियाँ छिपी हुई हैं।
4ऐसा मैं इसलिए कह रहा हूँ कि कोई तुम्हें मीठी मीठी
तर्कपूर्ण युक्तियों से भरमा न दे। 5यद्यपि दैहिक रूप से मैं
तुममें नहीं हूँ फिर भी आध्यात्मिक रूप से मैं तुम्हारे भीतर
हूँ। मैं तुम्हारे जीवन के अनुशासन और मसीह में तुम्हारे
विश्वास की दृढ़ता को देख कर प्रसन्न हूँ।

मसीह में बने रहो

6सो तुमने जैसे यीशु को मसीह और प्रभु के रूप में
ग्रहण किया है, तुम उसमें वैसे ही बने रहो। 7तुम्हारी जड़ें
उसी में हों और तुम्हारा निर्माण उसी पर हो तथा तुम अपने
विश्वास में दृढ़ता पाते रहो जैसा कि तुम्हें सिखाया गया है।
परमेश्वर के प्रति अत्यधिक आभारी बनो।
8ध्यान रखो कि तुम्हें अपने उन भौतिक विचारों और
खोखले प्रपंच से कोई भरमा न ले जो मानवीय परम्परा से
प्राप्त होते हैं, जो ब्रह्माण्ड को अनुशासित करने वाली
आत्माओं की देन है, न कि मसीह की। 9क्योंकि परमेश्वर
अपनी सम्पूर्णता के साथ सदैव उसी में निवास करता है।
10और उसी में स्थित होकर तुम परिपूर्ण बने हो। वह हर
शासक और अधिकारी का शिरोमणि है।
11तुम्हारा ख़तना भी उसी में हुआ है। यह ख़तना मनुष्य
के हाथों से सम्पन्न नहीं हुआ, बल्कि यह ख़तना जब तुम्हें
तुम्हारी पापपूर्ण मानव प्रकृति के प्रभाव से छुटकारा
दिला दिया गया था तब मसीह के द्वारा सम्पन्न हुआ।
12यह इसलिए हुआ कि जब तुम्हें बपतिस्मा में उसके
साथ गाड़ दिया गया तो जिस परमेश्वर ने उसे मरे हुओं
के बीच से जिला दिया था, उस परमेश्वर के कार्य में
तुम्हारे विश्वास के कारण, उसी के साथ तुम्हें भी पुन:
जीवित कर दिया गया। 13अपने पापों और अपने ख़तना
रहित शरीर के कारण तुम मरे हुए थे किन्तु तुम्हें परमेश्वर
ने मसीह के साथ–साथ जीवन प्रदान किया तथा हमारे

सब पापों को मुक्त रूप से क्षमा कर दिया। 14परमेश्वर ने उस अभिलेख को हमारे बीच में से हटा दिया जिसमें उन विधियों का उल्लेख किया गया था जो हमारे प्रतिकूल और हमारे विरुद्ध था। उसने उसे कीलों से क्रूस पर जड़कर मिटा दिया है। 15परमेश्वर ने क्रूस के द्वारा आध्यात्मिक शासकों और अधिकारियों को साधन विहीन कर दिया और अपने विजय अभियान में बंदियों के रूप में अपने पीछे–पीछे चलाया।

मनुष्य की शिक्षा और उसके बनाये नियमों पर मत चलो

16सो खाने पीने की वस्तुओं अथवा पर्वों नये चाँद के त्योहारों, या सब्त के दिनों को लेकर कोई तुम्हारी आलोचना न करे। 17ये तो, जो बातें आने वाली हैं, उनकी छाया भर हैं। किन्तु इस छाया की वास्तविक काया तो मसीह की ही है। 18कोई व्यक्ति जो अपने आप को प्रताड़ित करने के कर्मों या स्वर्गदूतों की उपासना के कामों में लगा हुआ हो, उसे तुम्हें तुम्हारे प्रतिफल को पाने में बाधक नहीं बनने देना चाहिये। ऐसा व्यक्ति सदा ही उन दिव्य दर्शनों की डींग मारता रहता है जिन्हें उसने देखा है और अपने दुनियावी सोच की वजह से झूठे अभिमान से भरा रहता है। 19वह अपने आपको मसीह के अधीन नहीं रखता जो प्रमुख है जो जोड़ों और नसों से सम्बद्ध तथा समर्थित होकर सारी देह का उपकार करता है, और जिससे आध्यात्मिक विकास का अनुभव होता है।

20क्योंकि तुम मसीह के साथ मर चुके हो और तुम्हे "संसार की बुनियादी शिक्षाओं से छुटकारा दिलाया जा चुका है।" तो इस तरह का आचरण क्यों करते हो जैसे तुम इस दुनिया के हो और ऐसे नियमों का पालन करते हो जैसे 21"इसे हाथ मत लगाओ," "इसे चखो मत" या "इसे छुओ मत।" 22ये सब वस्तुएँ तो काम में आते–आते नष्ट हो जाने के लिये हैं। ऐसे आचार व्यवहारों की अधीनता स्वीकार करके तो तुम मनुष्य के बनाये आचार व्यवहारों और शिक्षाओं का ही अनुसरण कर रहे हो। 23मनमानी उपासना, अपने शरीर को प्रताड़ित करने और अपनी काया को कष्ट देने से सम्बन्धित ये नियम बुद्धि पर आधारित प्रतीत होते हैं पर वास्तव में इन मूल्यों का कोई नियम नहीं है। ये नियम तो वास्तव में लोगों को उनकी पापपूर्ण मानव प्रकृति में लगा डालते हैं।

मसीह में नया जीवन

3 क्योंकि यदि तुम्हें मसीह के साथ मरे हुओं में से जिला कर उठाया गया है तो उन वस्तुओं के लिये प्रयत्नशील रहो जो स्वर्ग में हैं जहाँ परमेश्वर की दाहिनी ओर मसीह विराजित है। 2स्वर्ग की वस्तुओं के सम्बन्ध में ही सोचते रहो। भौतिक वस्तुओं के सम्बन्ध में मत सोचो। 3क्योंकि तुम लोगों का पुराना व्यक्तित्व मर चुका है और तुम्हारा नया जीवन मसीह के साथ साथ परमेश्वर में छिपा है। 4जब मसीह, जो हमारा जीवन है, फिर से प्रकट होगा तो तुम भी उसके साथ उसकी महिमा में प्रकट होओगे।

5इसलिये तुममें जो कुछ सांसारिक है, उसका अंत कर दो–व्यभिचार, अपवित्रता, वासना, बुरी इच्छाएँ और लालच जो मूर्ति उपासना का ही एक रूप है, 6इन ही बातों के कारण परमेश्वर का क्रोध प्रकट होने जा रहा है।* 7एक समय था जब तुम भी ऐसे कर्म करते हुए इसी प्रकार का जीवन जीया करते थे।

8किन्तु अब तुम्हें इन सब बातों के साथ साथ क्रोध, झुँझलाहट, शत्रुता, निन्दा–भाव, और अपशब्द बोलने से छुटकारा पा लेना चाहिये। 9आपस में झूठ मत बोलो क्योंकि तुमने अपने पुराने व्यक्तित्व को उसके कर्मों सहित उतार फेंका है 10और नये व्यक्तित्व को धारण कर लिया है जो अपने रचयिता के स्वरूप में स्थित होकर परमेश्वर के सम्पूर्ण ज्ञान के निमित्त निरन्तर नया होता जा रहा है। 11परिणामस्वरूप वहाँ यहूदी और ग़ैर यहूदी में कोई अन्तर नहीं रह गया है, न किसी ख़तना युक्त और खतना रहित में, न किसी असभ्य और बर्बर* में, न दास और एक स्वतन्त्र व्यक्ति में कोई अन्तर है। मसीह सर्वेसर्वा है और सब विश्वासियों में उसी का निवास है।

12क्योंकि तुम परमेश्वर के चुने हुए पवित्र और प्रिय जन हो इसलिए सहानुभूति, दया, नम्रता, कोमलता और धीरज को धारण करो। 13तुम्हें आपस में जब कभी किसी से कोई कष्ट हो तो एक दूसरे की सह लो और परस्पर एक दूसरे को मुक्त भाव से क्षमा कर दो। तुम्हें आपस में

पद 6 कुछ यूनानी प्रतियों मे ये शब्द जोड़े गये है: "उन पर जो आज्ञा को नहीं मानते।"

बर्बर शाब्दिक सिथियन, ये लोग बड़े जंगली और असभ्य समझे जाते थे।

एक दूसरे को ऐसे ही क्षमा कर देना चाहिए जैसे परमेश्वर
ने तुम्हें मुक्त भाव से क्षमा कर दिया। 14इन बातों के
अतिरिक्त प्रेम को धारण करो। प्रेम ही सब को आपस में
बाँधता और परिपूर्ण करता है। 15तुम्हारे मन पर मसीह से
प्राप्त होने वाली शांति का शासन हो। इसी के लिये तुम्हें
उसी एक देह* में बुलाया गया है। सदा धन्यवाद करते रहो।
16अपनी सम्पन्नता के साथ मसीह का संदेश तुम में वास
करे। भजनों, स्तुतियों और आत्मा के गीतों को गाते हुए
बड़े विवेक के साथ एक दूसरे को शिक्षा और निर्देश देते
रहो। परमेश्वर को मन ही मन धन्यवाद देते हुए गाते रहो।
17और तुम जो कुछ भी करो या कहो, वह सब प्रभु यीशु
के नाम पर हो। उसी के द्वारा तुम हर समय परम पिता
परमेश्वर को धन्यवाद देते रहो।

नये जीवन के नियम

18हे पत्नियो, अपने पतियों के प्रति उस प्रकार समर्पित
रहो जैसे प्रभु के अनुयायियों को शोभा देता है।

19हे पतियो, अपनी पत्नियों से प्रेम करो, उनके प्रति
कठोर मत बनो।

20हे बालको, सब बातों में अपने माता पिता की आज्ञा
का पालन करो। क्योंकि प्रभु के अनुयायिओं के इस
व्यवहार से परमेश्वर प्रसन्न होता है।

21हे पिताओ, अपने बालकों को कड़ुवाहट से मत भरो।
कहीं ऐसा न हो कि वे जतन करना ही छोड़ दें।

22हे सेवको, अपने सांसारिक स्वामियों की सब बातों
का पालन करो। केवल लोगों को प्रसन्न भर करने के
लिये उसी समय नहीं जब वे देख रहे हों, बल्कि सच्चे मन
से उनकी मानो। क्योंकि तुम प्रभु का आदर करते हो।
23तुम जो कुछ करो अपने समूचे मन से करो। मानों तुम
उसे लोगों के लिये नहीं बल्कि प्रभु के लिये कर रहे हो।
24याद रखो कि तुम्हें प्रभु से उत्तराधिकार का प्रतिफल
प्राप्त होगा। अपने स्वामी मसीह की सेवा करते रहो25क्योंकि
जो बुरा कर्म करेगा, उसे उसका फल मिलेगा और वहाँ
कोई पक्षपात नहीं है।

4 हे स्वामियो, तुम अपने सेवकों को जो उनका बनता
है और उचित है, दो। याद रखो स्वर्ग में तुम्हारा भी
कोई स्वामी है।

पौलुस की मसीहियों के लिये सलाह

2प्रार्थना में सदा लगे रहो। और जब तुम प्रार्थना करो तो
सदा परमेश्वर का धन्यवाद करते रहो। 3साथ ही साथ
हमारे लिये भी प्रार्थना करो कि परमेश्वर हमें अपने संदेश
के प्रचार का तथा मसीह से संबंधित रहस्यपूर्ण सत्य के
प्रवचन का अवसर प्रदान करे क्योंकि इस के कारण ही
मैं बंदीगृह में हूँ। 4प्रार्थना करो कि मैं इसे ऐसे स्पष्टता के
साथ बता सकूँजैसे मुझे बताना चाहिये।

5बाहर के लोगों के साथ विवेकपूर्ण व्यवहार करो। हर
अवसर का पूरा-पूरा उपयोग करो। 6तुम्हारी बोली सदा
मीठी रहे और उससे बुद्धि की छटा बिखरे ताकि तुम जान
लो कि किस व्यक्ति को कैसे उत्तर देना है।

पौलुस के साथियों के समाचार

7 हमारा प्रिय बंधु तुखिकुस जो एक विश्वासी सेवक
और प्रभु में स्थित साथी दास है, तुम्हें मेरे सभी समाचार
बता देगा। 8मैं उसे तुम्हारे पास इसलिए भेज रहा हूँ कि
तुम्हें उससे हमारे हालचाल का पता चल जाये वह तुम्हारे
हृदयों को प्रोत्साहित करेगा। 9मैं अपने विश्वासी तथा
प्रिय बंधु उनेसिमुस को भी उसके साथ भेज रहा हूँ जो
तुम्हीं में से एक है। वे, यहाँ जो कुछ घट रहा है, उसे तुम्हें
बतायेंगे।

10अरिस्तरखुस का जो बंदी गृह में मेरे साथ रहा है तथा
बरनाबास के बंधु मरकुस का तुम्हें नमस्कार, (उसके
विषय में तुम निर्देश पा ही चुके हो कि यदि वह तुम्हारे पास
आये तो उसका स्वागत करना,) 11यूसतुस कहलाने वाले
यीशु का भी तुम्हें नमस्कार पहुँचे। यहूदी विश्वासियों में
बस ये ही परमेश्वर के राज्य के लिये मेरे साथ काम कर
रहे हैं। ये मेरे लिये आनन्द का कारण रहे हैं।

12इपफ्रास का भी तुम्हें नमस्कार पहुँचे। वह तुम्हीं में
से एक है और मसीह यीशु का सेवक है। वह सदा बड़ी
वेदना के साथ तुम्हारे लिये लगनपूर्वक प्रार्थना करता
रहता है कि तुम आध्यात्मिक रूप से सम्पूर्ण बनने के
लिये विकास करते रहो। तथा विश्वासपूर्वक परमेश्वर
की इच्छा के अनुकूल बने रहो। 13मैं इसका साक्षी हूँ
कि वह तुम्हारे लिये और लौदीकिया तथा हियरापुलिस
के रहने वालों के लिये सदा कड़ा परिश्रम करता रहा
है। 14प्रिय चिकित्सक लूका तथा देमास तुम्हें नमस्कार
भेजते हैं।

देह मसीह का आत्मिक शरीर अर्थात् उसकी कलीसिया
अथवा उसके लोग।

15 लौदीकिया में रहने वाले भाइयों को तथा नमुफास
और उस कलीसिया को जो उसके घर में जुड़ती है,
नमस्कार पहुँचे। 16 और देखो, पत्र जब तुम्हारे सम्मुख
पढ़ा जा चुके, तब इस बात का निश्चय कर लेना कि इसे
लौदीकिया के कलीसिया में भी पढ़वा दिया जाये। और
लौदीकिया से मेरा जो पत्र तुम्हें मिले, उसे तुम भी पढ़
लेना। 17 अखिप्पुस से कहना कि वह इस बात का ध्यान
रखे कि प्रभु में जो सेवा उसे सौंपी गयी है, वह उसे निश्चय
के साथ पूरा करे।

18 मैं पौलुस स्वयं अपनी लेखनी से यह नमस्कार लिख
रहा हूँ। याद रखना मैं कारागार में हूँ, परमेश्वर का अनुग्रह
तुम्हारे साथ रहे।

License Agreement for Bible Texts

World Bible Translation Center
Last Updated: September 21, 2006

Copyright © 2006 by World Bible Translation Center
All rights reserved.

These Scriptures:

- Are copyrighted by World Bible Translation Center.
- Are not public domain.
- May not be altered or modified in any form.
- May not be sold or offered for sale in any form.
- May not be used for commercial purposes (including, but not limited to, use in advertising or Web banners used for the purpose of selling online add space).
- May be distributed without modification in electronic form for non-commercial use. However, they may not be hosted on any kind of server (including a Web or ftp server) without written permission. A copy of this license (without modification) must also be included.
- May be quoted for any purpose, up to 1,000 verses, without written permission. However, the extent of quotation must not comprise a complete book nor should it amount to more than 50% of the work in which it is quoted. A copyright notice must appear on the title or copyright page using this pattern: "Taken from the HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSION™ © 2006 by World Bible Translation Center, Inc. and used by permission." If the text quoted is from one of WBTC's non-English versions, the printed title of the actual text quoted will be substituted for "HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSION™." The copyright notice must appear in English or be translated into another language. When quotations from WBTC's text are used in non-saleable media, such as church bulletins, orders of service, posters, transparencies or similar media, a complete copyright notice is not required, but the initials of the version (such as "ERV" for the Easy-to-Read Version™ in English) must appear at the end of each quotation.

Any use of these Scriptures other than those listed above is prohibited. For additional rights and permission for usage, such as the use of WBTC's text on a Web site, or for clarification of any of the above, please contact World Bible Translation Center in writing or by email at distribution@wbtc.com.

World Bible Translation Center
P.O. Box 820648
Fort Worth, Texas 76182, USA
Telephone: 1-817-595-1664
Toll-Free in US: 1-888-54-BIBLE
E-mail: info@wbtc.com

WBTC's web site – World Bible Translation Center's web site: http://www.wbtc.org

Order online – To order a copy of our texts online, go to: http://www.wbtc.org

Current license agreement – *This license is subject to change without notice. The current license can be found at:* http://www.wbtc.org/downloads/biblelicense.htm

Trouble viewing this file – If the text in this document does not display correctly, use Adobe Acrobat Reader 5.0 or higher. Download Adobe Acrobat Reader from: http://www.adobe.com/products/acrobat/readstep2.html

Viewing Chinese or Korean PDFs – To view the Chinese or Korean PDFs, it may be necessary to download the Chinese Simplified or Korean font pack from Adobe. Download the font packs from: http://www.adobe.com/products/acrobat/acrrasianfontpack.html